व्यापार को बढ़ावा मिला। इससे कई यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन आया। इसके अतिरिक्त, इन नए क्षेत्रों की खोज के साथ, उपनिवेशवाद का आरम्भ हुआ। प्रारंभिक औपनिवेशिक शक्तियाँ पुर्तगाल और स्पेन थीं। ब्रिटेन, डच और फ्रांस शीघ्र ही इस होड़ में सम्मिलित हो गए, तथा पुर्तगाल और स्पेन को कई स्थानों पर उनके उपनिवेशों से प्रतिस्थापित कर दिया।

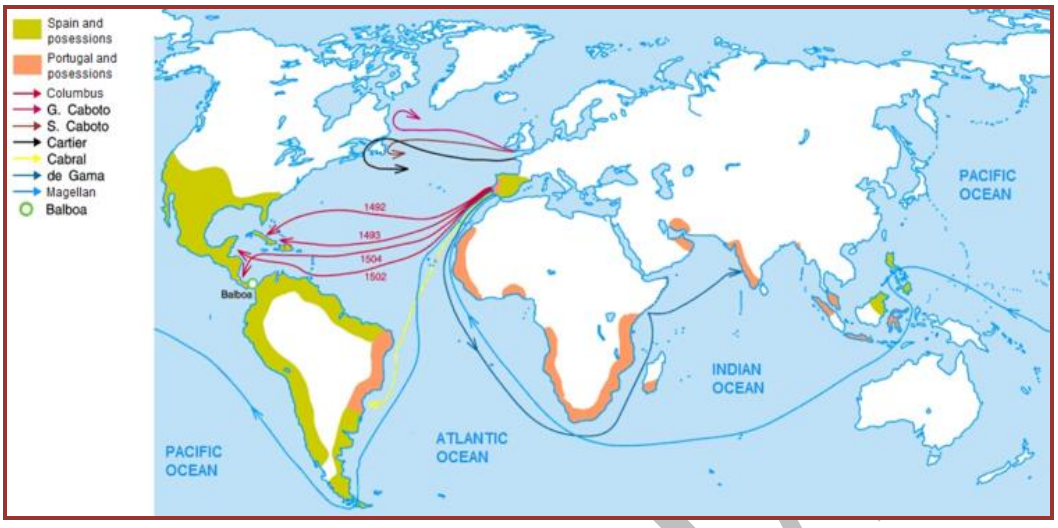

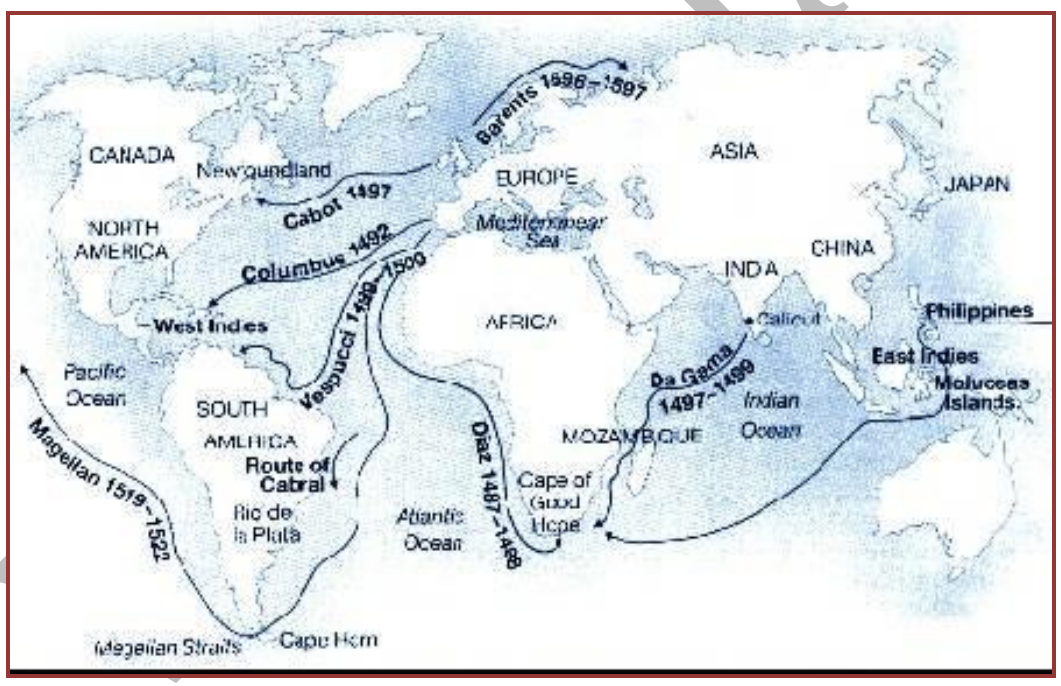

4.3. निरंकुश राजतंत्रों का उदय

- राजा और मध्य वर्ग (अधिकांशतः व्यापारी) के गठजोड़ और मध्य युग (600 ईस्वी से 1500 ईस्वी) के अंत तक सामंतवाद के पतन ने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने में राजा की सहायता की। निरंकुश राजतंत्र के रूप में शक्तिशाली शासकों ने सामंतों को अपने अधीन कर लिया और चर्च के राजनीतिक हस्तक्षेप को खारिज कर दिया।
- सन् 1665 में निरंकुशता को एक लिखित संविधान में सम्मिलित करने वाला डेनमार्क प्रथम राष्ट्र बना। इसके अतिरिक्त, प्रशा (वर्तमान जर्मनी), इंग्लैंड, हॉलैंड, ऑस्ट्रिया, फ्रांस आदि में शक्तिशाली राजतंत्र थे। उदाहरण के लिए, लुई चौदहवें ने 17वीं शताब्दी में फ्रांसीसी साम्राज्य को संगठित किया और 18वीं सदी के पहले दशक तक फ्रांस की गणना एक शक्तिशाली देश के रूप में की जाने लगी।